दिव्य सूक्त

कृपा के रंग

१.

सतर्कता

~ श्रीगुरुमाई

२.

सहृदयता

~ श्रीगुरुमाई

३.

आकाश से बरसती
मधुर-मधुर वर्षा की भाँति
भगवत्कृपा की झड़ी
तुम्हारे जीवन के
हर पल को भिगोती है।

~ गुरुमाई चिद्विलासानन्द

४.

प्रार्थना

~ श्रीगुरुमाई

५.

विस्मय

~ श्रीगुरुमाई

संस्कृत भाषा में 'दिव्य' का अर्थ है दैवी या ईश्वरीय, और 'सूक्त' का अर्थ है, वह कथन जो सर्वोच्च सत्य को उजागर करता है। दिव्य सूक्त : ईश्वर के विषय में सिखावनियाँ।

© २०१९ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।